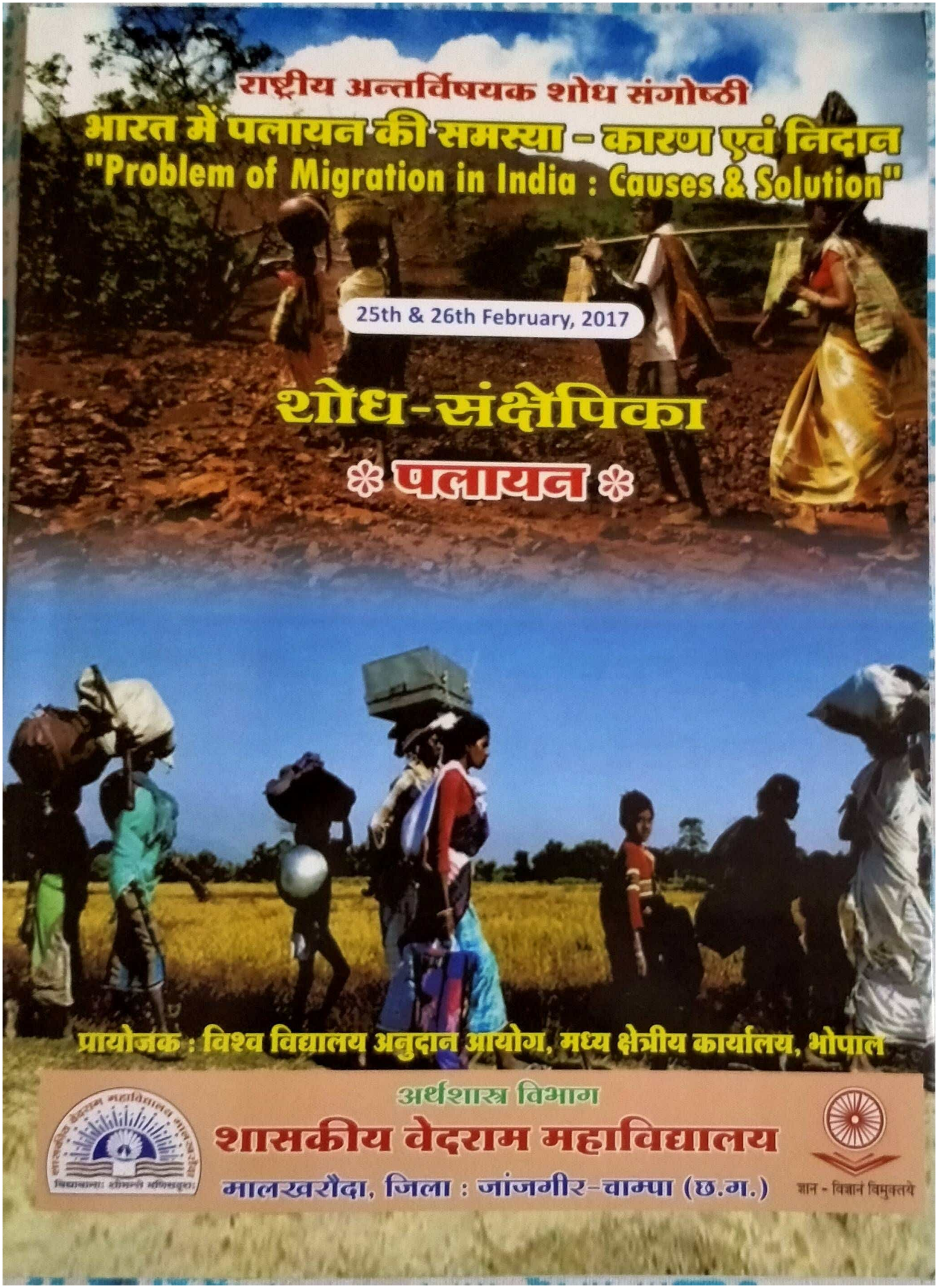

राष्ट्रीय अन्तर्विषयक शोध संगोष्ठी

भारत में पलायन की समस्या - कारण एवं निदान

"Problem of Migration in India : Causes & Solution"

25th & 26th February, 2017

शोध-संक्षेपिका

❁ पलायन ❁

प्रायोजक : विश्व विद्यालय अनुदान आयोग, मध्य क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल

अर्थशास्त्र विभाग

शासकीय वेदराम महाविद्यालय

मालखरौदा, जिला : जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.)

ज्ञान - विज्ञानं विमुक्तये

संक्षेपिका

डॉ. एस.के. टोप्पो
सहा.प्रध्यापक (समाजशास्त्र)
टी.एस.एस.शास.महा.पत्थलगांव जिला जशपुर

श्रीमति क्रेसेन्सिया टोप्पो
सहा.प्रध्यापक (अर्थशास्त्र)
शा.एस.पी.एम.महा.सीतापुर जिला सरगुजा छ.ग

भारत गांवो का देश हैं। गांवों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। कृषि और ग्रामीण पलायन का प्राचीन संबंध रहा है। स्वतन्त्रता के पूर्व कशषि पर आत्मनिर्मरता थी। आजादी के समय 75 प्रतिशत जन संख्या गांव में तथा 25 प्रतिशत जन संख्या शहरो मे रहती थी। ऐतिहासिक साक्ष्य यह बताता है कि कृषि रोजगार का बडा श्रोत था। समस्त अर्थव्यवस्था की रीढ कृषि ही थी। 1960 के आसपास से कृषि में हरित कांति के साथ आधुनिक तकनीकी लाकर कृषि के तरीको में क्रांतिकारी परिवर्तन किया गया किन्तु कृषि मे सुधार ग्रामीण पलायन को रोकने में असफल रही है; आज भी पलायन का सिलसिला जारी है।

पलायन बेहत्तर सुविधाओं की प्राप्ति का पर्याय है। पलायन को लेकर विविध दृष्टिकोण के आधार पर परिभाषित किया गया है जैसे साहित्यिक अर्थ में प्राचीन के प्रति अंसतोष तथा नवीनता के प्रति उत्साह; वैज्ञानिक दृष्टि से पलायन को वर्तमान के प्रति असतुष्टता एवं उन्नति की ओर प्रवृत होना निरूपित किया गया है।

तकनीकी कृषि में यंत्रो का सहारा लिया जाकर जोत के लिऐ ट्रेक्टर; कटाई मिसाई के लिये थ्रेसर एवं हार्वेस्टर के उपयोग का प्रचलन बढा है। जैविक खाद के स्थान पर रसायनिक खाद सिचाई के लिए परम्परागत श्रोतो के बदले बोरवेल पम्प सेट तथा परम्परागत मूल बीज के स्थान पर हाईब्रीड (प्रमाणित बीज) कीटनाशक दवाओं का इस्तेमाल हुआ है। कृषि में नवप्रयोग से अर्थव्यवस्था में क्रान्ति कारी परिवर्तन हुए है। फलतः यन्त्रीकृत कृषि से ग्रामीण बेरोजगारो की संख्या में भी बढोत्तरी हुई है। अल्प समय में फसलो के तैयार होने के फलस्वरूप पलायन के लिये अनुकूल परिस्थितियो का प्रादुर्भाव हुआ है। कृषि कार्य के शेष समयो का उपयोग हेतु अंशकालिक पलायन की संभावनाए बढ़ी है।

महाविद्यालय गतिविधियाँ : झलकियाँ